No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

02496

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित-साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

*नोट : कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) हमारी दासता का सफ़र
तुम्हारे जन्म से शुरू होता है
और इसका अंत भी
तुम्हारे अंत के साथ होगा ।

(ख) द्रोण की परम्परा के पृष्ठपोषक सुनो
अब और जाल मत बुनो !
जाल को रहने दो
अँधेरे की गहन गुफ़ा को घाव सहने दो
जाओ द्रोण जाओ
दर्द को हरियाने दो
एकलव्य मैं पहले था, आज भी हूँ
अब जान गया हूँ
अँगूठा दान क्यों माँगते हो ?

(ग) और तुम लोग हो कि जिसने दो मीठी-मीठी बातें कर दीं तो उसे अंधा बनके पूजने लगे । आँखे खोलकर देखो ! बिना बुलाए कोई आए और हित-अहित की बात करे तो समझ लो कि तुम्हें हिजड़ा बनाया जा रहा है और ये मिश्रा तुम्हें हिजड़ा बना के रख देगा ।

(घ) वह बेहद नीरस औरत थी, न कोयल की तरह कूकती थी, और न चिड़ियों की तरह चहकती थी । तोता-मैना के किस्से कहानियाँ सुनाने वाली दादी अम्मा बनकर वह हमारे घर आई । ... कभी-कभी लगता था वह मेरी पत्नी नहीं थी, माँ थी ।

2. समकालीन हिन्दी दलित-कविता के विकास में ओमप्रकाश वाल्मीकि के योगदान को रेखांकित कीजिए । *10*

3. दलित कहानियों की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए । *10*

4. 'आवाज़ें' कहानी की समीक्षा कीजिए । *10*

5. 'परिवर्तन की बात' मुक्ति-चेतना की महत्त्वपूर्ण रचना है – इस कथन की समीक्षा कीजिए । *10*

6. 'जूठन' की कथावस्तु पर विचार कीजिए । *10*

7. 'तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?' कविता में अभिव्यक्त आम्बेडकर-दर्शन को रेखांकित कीजिए । *10*